



Dr. Shruti Sharma

26 Oct 1990

08:30 AM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119890604

स्त्रीलिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 26/10/1990 : _____ जन्म तिथि _____ : 26/10/2025
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 08:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 07:49:04 घंटे
 घटी 04:55:26 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 03:12:06 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Simla : _____ स्थान _____ : Simla
 उत्तर 31:06:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:06:00 उत्तर
 पूर्व 77:10:00 : _____ रेखांश _____ : 77:10:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:20 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:31:49 : _____ सूर्योदय _____ : 06:32:13
 17:38:37 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:38:08
 23:43:57 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:06
 वृश्चिक : _____ लग्न _____ : तुला
 मंगल : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 मकर : _____ राशि _____ : वृश्चिक
 शनि : _____ राशि-स्वामी _____ : मंगल
 उत्तराषाढा : _____ नक्षत्र _____ : ज्येष्ठा
 सूर्य : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : बुध
 2 : _____ चरण _____ : 4
 धृति : _____ योग _____ : अतिगण्ड
 वणिज : _____ करण _____ : बव
 भो-भोजराज : _____ जन्म नामाक्षर _____ : यू-युक्ता
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : विप्र
 जलचर : _____ वश्य _____ : कीटक
 नकुल : _____ योनि _____ : मृग
 मनुष्य : _____ गण _____ : राक्षस
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : मृग
 35 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 36

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
विशाखा	4	02:44:04	वृश्चि			लग्न			तुला	24:04:47	2	विशाखा
स्वाति	1	08:42:28	तुला			सूर्य			तुला	08:42:28	1	स्वाति
उत्तराषाढ़ा	2	00:35:03	मक			चंद्र			वृश्चि	28:31:51	4	ज्येष्ठा
रोहिणी	4	20:37:21	वृष	व		मंगल			तुला	29:03:35	3	विशाखा
स्वाति	2	11:18:01	तुला	अ		बुध			वृश्चि	02:07:26	4	विशाखा
आश्लेषा	1	17:56:19	कर्क			गुरु			कर्क	00:29:07	4	पुनर्वसु
स्वाति	1	07:02:53	तुला	अ		शुक्र			कन्या	20:58:27	4	हस्त
पूर्वाषाढ़ा	4	25:51:21	धनु			शनि	व		मीन	01:52:13	4	पूर्वाभाद्रपद
उत्तराषाढ़ा	4	08:50:09	मक	व		राहु	व		कुंभ	22:59:22	1	पूर्वाभाद्रपद
पुष्य	2	08:50:09	कर्क	व		केतु	व		सिंह	22:59:22	3	पूर्वाफाल्गुनी
मूल	4	12:35:08	धनु			मु	अ		तुला	02:44:04	3	चित्रा

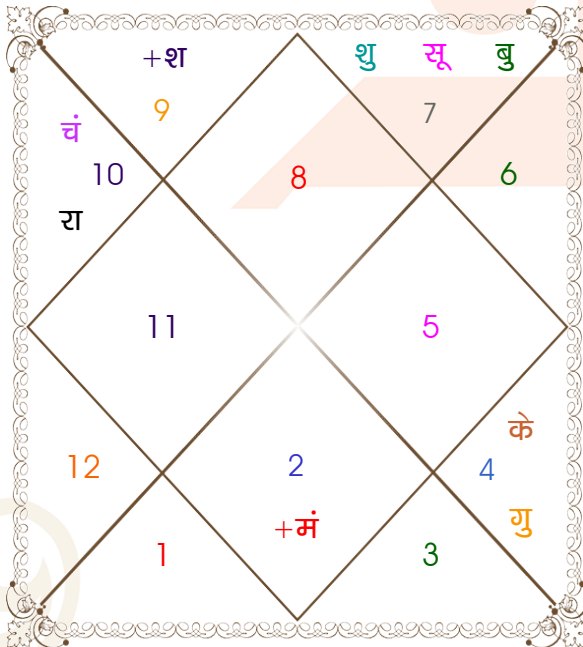
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

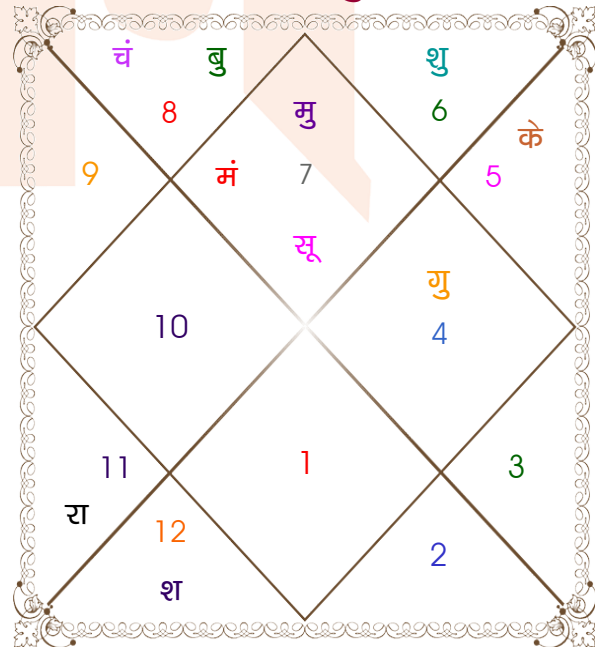
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - शनि	राहु - शुक्र - बुध	राहु - शुक्र - केतु	राहु - सूर्य - सूर्य
12/07/2025 23:29	02/01/2026 11:20	06/06/2026 16:53	09/08/2026 14:56
02/01/2026 11:20	06/06/2026 16:53	09/08/2026 14:56	26/08/2026 01:24
शनि 09/08/2025 10:45	बुध 24/01/2026 11:07	केतु 10/06/2026 10:22	सूर्य 10/08/2026 10:39
बुध 03/09/2025 00:38	केतु 02/02/2026 12:26	शुक्र 21/06/2026 02:02	चंद्र 11/08/2026 19:31
केतु 13/09/2025 03:31	शुक्र 28/02/2026 09:22	सूर्य 24/06/2026 06:44	मंगल 12/08/2026 18:32
शुक्र 12/10/2025 01:30	सूर्य 08/03/2026 03:38	चंद्र 29/06/2026 14:35	राहु 15/08/2026 05:42
सूर्य 20/10/2025 17:41	चंद्र 21/03/2026 02:06	मंगल 03/07/2026 08:04	गुरु 17/08/2026 10:18
चंद्र 04/11/2025 04:41	मंगल 30/03/2026 03:25	राहु 12/07/2026 22:10	शनि 20/08/2026 00:45
मंगल 14/11/2025 07:34	राहु 22/04/2026 10:15	गुरु 21/07/2026 10:43	बुध 22/08/2026 08:38
राहु 10/12/2025 08:09	गुरु 13/05/2026 03:00	शनि 31/07/2026 13:36	केतु 23/08/2026 07:39
गुरु 02/01/2026 11:20	शनि 06/06/2026 16:53	बुध 09/08/2026 14:56	शुक्र 26/08/2026 01:24
राहु - सूर्य - चंद्र	राहु - सूर्य - मंगल	राहु - सूर्य - राहु	राहु - सूर्य - गुरु
26/08/2026 01:24	22/09/2026 10:51	11/10/2026 15:04	29/11/2026 22:28
22/09/2026 10:51	11/10/2026 15:04	29/11/2026 22:28	12/01/2027 18:23
चंद्र 28/08/2026 08:11	मंगल 23/09/2026 13:42	राहु 19/10/2026 00:34	गुरु 05/12/2026 18:44
मंगल 29/08/2026 22:32	राहु 26/09/2026 10:43	गुरु 25/10/2026 14:22	शनि 12/12/2026 17:17
राहु 03/09/2026 01:09	गुरु 29/09/2026 00:05	शनि 02/11/2026 09:44	बुध 18/12/2026 22:18
गुरु 06/09/2026 16:49	शनि 02/10/2026 00:57	बुध 09/11/2026 09:23	केतु 21/12/2026 11:40
शनि 11/09/2026 00:55	बुध 04/10/2026 18:09	केतु 12/11/2026 06:25	शुक्र 28/12/2026 18:59
बुध 14/09/2026 22:03	केतु 05/10/2026 21:00	शुक्र 20/11/2026 11:39	सूर्य 30/12/2026 23:35
केतु 16/09/2026 12:24	शुक्र 09/10/2026 01:42	सूर्य 22/11/2026 22:49	चंद्र 03/01/2027 15:14
शुक्र 21/09/2026 01:58	सूर्य 10/10/2026 00:43	चंद्र 27/11/2026 01:26	मंगल 06/01/2027 04:36
सूर्य 22/09/2026 10:51	चंद्र 11/10/2026 15:04	मंगल 29/11/2026 22:28	राहु 12/01/2027 18:23
राहु - सूर्य - शनि	राहु - सूर्य - बुध	राहु - सूर्य - केतु	राहु - सूर्य - शुक्र
12/01/2027 18:23	05/03/2027 19:33	21/04/2027 09:13	10/05/2027 13:26
05/03/2027 19:33	21/04/2027 09:13	10/05/2027 13:26	04/07/2027 08:20
शनि 21/01/2027 00:10	बुध 12/03/2027 09:53	केतु 22/04/2027 12:03	शुक्र 19/05/2027 16:35
बुध 28/01/2027 09:08	केतु 15/03/2027 03:05	शुक्र 25/04/2027 16:46	सूर्य 22/05/2027 10:19
केतु 31/01/2027 10:00	शुक्र 22/03/2027 21:21	सूर्य 26/04/2027 15:46	चंद्र 26/05/2027 23:54
शुक्र 09/02/2027 02:12	सूर्य 25/03/2027 05:14	चंद्र 28/04/2027 06:07	मंगल 30/05/2027 04:36
सूर्य 11/02/2027 16:39	चंद्र 29/03/2027 02:23	मंगल 29/04/2027 08:58	राहु 07/06/2027 09:50
चंद्र 16/02/2027 00:45	मंगल 31/03/2027 19:35	राहु 02/05/2027 06:00	गुरु 14/06/2027 17:09
मंगल 19/02/2027 01:37	राहु 07/04/2027 19:14	गुरु 04/05/2027 19:22	शनि 23/06/2027 09:21
राहु 26/02/2027 21:00	गुरु 14/04/2027 00:15	शनि 07/05/2027 20:14	बुध 01/07/2027 03:37
गुरु 05/03/2027 19:33	शनि 21/04/2027 09:13	बुध 10/05/2027 13:26	केतु 04/07/2027 08:20

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्टान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_***

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं नौकरी या राजनीति में किसी प्रभावशाली पद को प्राप्त करने में सफल हो सकती है। व्यापारिक क्षेत्र में भी आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा इच्छित मात्रा में धनार्जन एवं लाभ होता रहेगा साथ ही व्यापार में विस्तार तथा अन्य नवीन कार्यों को भी आप प्रारम्भ करेंगी जिससे प्रचुर आय होगी। फलतः आर्थिक रूप से आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इस वर्ष शत्रु वर्ग को पराजित करने में समर्थ रहेंगी फलतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक प्रतियोगिता या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको सफलता मिलने की प्रबल संभावनाएं रहेंगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के लोग या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके विगत रुके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा भाग्योदय संबन्धी किसी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिलेगी। अन्य सांसारिक कार्यों से भी आपको खुशी होगी एवं कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आप को संतति की प्राप्ति या संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में वाहन संबन्धी सुख भी मिलेगा। अतः आपका अधिकांश समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।